संचय
SANCHAYA

रा ब सं
जनसेवा में 50 वर्षों से अधिक
NSI
Over 50 Years in Service of People

मासिक प्रकाशन | Monthly Publication

अक्तूबर 2008 (अंक 184) | October 2008 (Issue 184)

श्री अनिल देशमुख, माननीय मंत्री लोक निर्माण विभाग, महाराष्ट्र सरकार 30 अक्टूबर 2008 को नागपुर में राष्ट्रीय बचत संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा आयोजित विश्व मितव्ययिता दिवस के कार्यक्रम में परम्परागत दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुये दिखाई दे रहे है। साथ ही (बाये से दाये) श्री एम.ई. हक, पोस्टमास्टर जनरल नागपुर, श्री अजय निगम, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक नागपुर, श्री अनिल भट्टाचार्य, निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान, नागपुर, श्री आर.बी. सिंह, मुख्य अभियंता, सी.पी.डब्ल्यू.डी. नागपुर भी दिखाई दे रहे है।

राष्ट्रीय बचत संस्थान ने पूरे देश में मितव्ययिता दिवस मनाया

राष्ट्रीय बचत संस्थान, राजय सरकारों, डाक विभाग एवं बचत संसाधन में जुटी अन्य एजेनिसयों के निकट सहयोग से प्रतिवर्ष 30 अक्टूबर को विश्व मितव्ययिता दिवस मनाता है। इस वर्ष भी राष्ट्रीय बचत संस्थान ने पूरे देश में क्षेत्रीय निदेशकों के मुख्यालयों पर 30 अक्टूबर 008 को विश्व मितव्ययिता दिवस मनाया। अन्य वित्तीय संस्थानो जैसे भारतीय रिजर्व बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम, भारतीय यूनिट ट्रस्ट ने भी समारोह में भाग लिया। विश्व मितव्ययिता दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में बचत करने की आदत को बढ़ावा देना एवं बचत आंदोलन के अन्तर्गत अधिक से अधिक लोगों को उससे जोड़ना है।

इस अवसर पर भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील, माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह, माननीय वित्त मंत्री श्री पी. चिदम्बरम, माननीय वित्त राज्यमंत्री श्री पवनकुमार बंसल की ओर से प्राप्त संदेशों को समारोह में पढ़कर सुनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सम्मानिय अतिथियों ने राष्ट्रीय बचत संस्थान के अधिकारियों से कहॉ कि वे बचत के बारे में वित्तीय साक्षरता के माध्यम से जागरूकता फैलायें क्योंकि आर्थिक विकास में बचत की महत्वपूर्ण भूमिका है। विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर एक विशेष विज्ञापन देश के प्रमुख समाचार पत्रों में डी.ए.वी.पी., नई दिल्ली के माध्यम से राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा प्रकाशित किया गया। इस कार्यक्रम को समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित किया गया।

राष्ट्रीय बचत संस्थान
NATIONAL SAVINGS INSTITUTE
http://nsiindia.gov.in.

राष्ट्रीय बचत संस्थान, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, सेमिनरी हिल्स, नागपुर National Savings Institute, CGO Complex, Seminary Hills, Nagpur

श्री के. अनबाझागन, माननीय वित्त मंत्री, तामिल नाडू सरकार, श्री आर. बालाकृष्णन, सेक्शन ऑफीसर, तामिलनाडू सरकार परिवहन निगम को चेन्नई में 30 अक्टूबर 2008 को राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा आयोजित विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर 'वेतन बचत समूह' के लिये राज्य स्तरीय द्वितीय पुरस्कार प्रदान करते हुये। साथ ही (बाये से दाये) श्री के रामचन्द्रन, पोस्ट मास्टर जनरल, चेन्नई, श्री टी. दासरी, क्षेत्रीय निदेशक (वरिष्ठ), राष्ट्रीय बचत संस्थान चेन्नई, श्री ए. रामास्वामी, माननीय वाईस चेअरमैन, राज्य उच्च शिक्षा समिति, चेन्नई, श्री ए. रहमान खान, माननीय वाईस चेअरमैन, राष्ट्रीय बचत सलाहकार बोर्ड तमिलनाडू सरकार, श्री परीथि, इलाम्बेवजुथी, माननीय सूचना मंत्री, तामिलनाडू सरकार और श्री एम. सुब्रमण्यम, माननीय महापौर चेन्नई भी दिखाई दे रहे है।

विश्व मितव्ययिता दिवस का महत्व और राष्ट्रीय बचत संस्थान की उपलब्धियाँ

प्रथम विश्व मितव्ययिता दिवस 30 अक्टूबर 1924 को इटली के मिलन शहर में मनाया गया। वर्ष 1984 तक यह भारत में भी 31 अक्टूबर को मनाया जाता था परन्तु 31 अक्टूबर को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी के निधन के कारण विश्व मितव्ययिता दिवस पूरे देश में प्रतिवर्ष 30 अक्टूबर को मनाया जाने लगा। विश्व मितव्ययिता दिवस समारोह मनाने का मुख्य उद्देश्य आम जनता के बीच बचत की आदत के प्रति जागरूकता फैलाना है। वित्त मंत्रालय के बचत उत्पादों को इस प्रकार से तैयार किया गया है कि वे समाज के विभिन्न वर्गों की आवश्यकता को पूरा करे। ये योजनाएं भारत सरकार की है अतः इसमें उच्चतम सुरक्षा निहित है जो कि किसी भी निवेशक का प्रथम उद्देश्य होता है। राष्ट्रीय बचत संगठन (अब राष्ट्रीय बचत संस्थान) की पिछले 50 वर्षों से अधिक की उपलब्धियाँ काफी उत्साहवर्धक है। वर्ष 1948 में जहाँ इसके द्वारा रु. 100 करोड़ एकत्रित किये गये वही वर्ष 2007–08 में राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा रु. 126750 करोड़ एकत्रित किये गये। बचत एकत्रीकरण में राज्य सरकारें एवं विस्तारित एजेंसिया शामिल हैं और भारत में बचत एकत्रीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राज्य में शुद्ध जमा का 100 प्रतिशत हिस्सा संबंधित राज्य सरकारो को केन्द्र सरकार की ओर से दीर्घकालीन ऋण के रूप में दिया जाता है जिसे वे अपने राज्य के विकास योजनाओं पर खर्च करती है।

श्रीमती रंजू प्रसाद, निदेशक, डाक सेवा (जी.पी.ओ.), नई दिल्ली 30 अक्टूबर 2008 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा आयोजित विश्व मितव्ययिता दिवस समारोह में संबोधित करती हुयी। साथ ही श्री विजय वर्मा, आडिट आफिसर, राष्ट्रीय बचत निदेशालय दिल्ली सरकार, श्री मीर अजमत अली, संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान दिल्ली और श्री आनन्द प्रकाश, सहायक निदेशक, डाक विभाग, नई दिल्ली भी दिखाई दे रहे है।

विश्व मितव्ययिता दिवस संदेश

बचत पखवाड़े का आयोजन

31 अक्तूबर – 14 नवम्बर 2008

विश्व मितव्ययिता दिवस

30 अक्तूबर 2008

राष्ट्रीय बचत संस्थान
इस अवसर पर
लघु निवेशकर्ताओं और
उन्हें राष्ट्र निर्माण में भागीदार
बनाने के प्रति अपनी
वचनबद्धता दोहराता है।

राष्ट्रीय बचत संस्थान
वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
भारत सरकार, सी.जी.ओ. काम्पलेक्स,
सेमिनरी हिल्स, नागपुर – 440 006

राष्ट्रीय बचत संस्थान

राष्ट्रपति
भारत गणराज्य

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि 30 अक्तूबर 2008 को देशभर में विश्व मितव्ययिता दिवस मनाया जा रहा है। विभिन्न लघु बचत योजनाओं के जरिये संसाधन जुटाने से सभी वर्गों के लघु निवेशकों की सहायता की जा सकती है। इससे मितव्ययिता की आदत डाली जा सकती है और देश के आर्थिक विकास के लिए संसाधन जुटाने में महत्वपूर्ण योगदान किया जा सकता है। भारत सरकार की लघु बचत योजनाएं लघु बचतकर्ताओं को न केवल बेहतर लाभ प्रदान करती हैं बल्कि जमा राशि का संरक्षण और सुरक्षा भी सुनिश्चित करती हैं।

विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर मैं राष्ट्रीय बचत संस्थान और उन सभी संगठनों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं जो भारत सरकार की विभिन्न लघु बचत योजनाओं के जरिये संसाधन जुटाने में लगे हुए है। मेरी कामना है कि विश्व मितव्ययिता दिवस संबंधी आयोजन सफल हो।

ह.
(प्रतिभा देवी सिंह पाटील)

प्रधानमंत्री

मुझे बेहद खुशी हुई है कि 30 अक्तूबर, 2008 को विश्व मितव्ययिता दिवस मनाया जा रहा है। इस दिन बचत जुटाने में लगे संगठन व्यापक जन समुदाय में मितव्ययिता की आदत को बढ़ावा देने के प्रति अपने को फिर से एकजुट करते हैं। समाज के कमजोर वर्गों को सेवाएं प्रदान करना वित्तीय संस्थानो के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में ग्रामीण क्षेत्रो मे बैंक और डाकघर, ग्रामीण निर्धनों को वित्तीय सेवाओं में शामिल करना सुनिश्चित कर रहे है। भारत में करोड़ो लघु बचतकर्ताओं ने भारत सरकार की लघु बचत योजनाओं में निवेश किया है। आज विश्व के अनेक देशों को वित्तीय संकट का सामना करना पड रहा है, लेकिन भारत में बचत की ऊंची दर एक ऐसा घटक है, जो हमारी अर्थव्यवस्था को सामर्थ्य प्रदान कर रहा है। हमें इस अवसर का लाभ मितव्ययिता और बचत की आदत के प्रसार के लिए करना चाहिए।

ह.
(मनमोहन सिंह)

वित्त मंत्री

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि 30 अक्टूबर 2008 को समूचे देश मे विश्व मितव्ययिता दिवस मनाया जा रहा है। यह ऐसा अवसर है, जब हमे मितव्ययिता और बचत का संदेश आम लोगो तक फिर से पहुंचाना है और तत्संबंधी प्रयासों को मजबूती प्रदान करनी है। लघु बचत से हमें दीर्घावधि निवेश के ऐसे संसाधन उपलब्ध होते हैं जो अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक हैं और विकास को प्रोत्साहित करते हैं। बचत आंदोलन में लगी सभी एजेंसियों का यह प्रयास होना चाहिए कि इस बात की पुख्ता व्यवस्था हो सके कि बचत का संदेश देश के सुदूरतम हिस्सों, विशेषकर ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचे। इससे बचत जुटाने के अलावा वित्तीय समावेशन की प्रक्रिया के विस्तार और उसे गहन बनाने में मदद मिलेगी।

विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर मैं राष्ट्रीय बचत संस्थान और मितव्ययिता की आदत को प्रोत्साहित करने में लगी सभी अन्य एजेंसियों को बधाई देता हूं। मेरी शुभकामना है कि उन सभी को इस अवसर पर शुरू की जा रही गतिविधियों और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र को समेकित एवं सुदृढ बनाने के प्रयासों में सफलता मिले।

ह.
(पी. चिदम्बरम)

वित्त राज्य मंत्री

वित्तीय समावेशन आज विकास नीतियों के केन्द्र में सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, जो समाज के आर्थिक दृष्टि से कमजोर लोगों के जीवन से संबद्ध है। बचत की आदत से संसाधन जुटाने के साथ ही लोगों को औपचारिक वित्तीय क्षेत्र और आर्थिक विकास की प्रक्रिया में भागीदार बनाने में भी मदद मिलती है। अतः बैंकों और डाकघरों को उन क्षेत्रों मे अपना प्रसार करने की आवश्यकता है, जहां अभी तक औपचारिक वित्तीय सेवाएं नहीं हैं। इससे समाज के उपेक्षित वर्गों को बुनियादी वित्तीय सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि 30 अक्टूबर 2008 को विश्व मितव्ययिता दिवस मनाया जा रहा है। मैं बचत जुटाने के काम में लगी सभी एजेंसियों से अपील करता हूं कि वे वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों और लघु बचतों को अपनी समग्र नीति से एकीकृत करते हुए व्यापक जन समुदाय में मितव्ययिता की आदत प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव प्रयास करें।

मैं इस अवसर पर संबद्ध एजेंसियों द्वारा शुरू की जा रही सभी गतिविधियों की सफलता की कामना करता हूँ।

ह.
(पवन कुमार बंसल)

अप्रैल से अगस्त 2008 के लिए अल्प बचत संग्रहण

(करोड रुपये)

क्र. सं.	क्षेत्र / राज्य	सकल	शुद्ध	सकल	शुद्ध
		अगस्त 2007 तक		अगस्त 2008 तक	
1.	आंध्र प्रदेश	3770.25	-182.39	4343.32	-8.31
2.	अरूणाचल प्रदेश	31.56	8.36	32.80	8.93
3.	असम	666.90	-384.01	712.96	-63.30
4.	अंदमान निकोबार द्वीप	9.71	1.04	11.66	2.94
5.	आर्मी पोस्ट ऑफीसेस	119.75	-40.80	118.36	-375.81
6.	बिहार	2382.03	371.60	2339.19	468.24
7.	झारखंड	773.56	-16.73	915.92	175.92
8.	चंडीगढ	140.57	-97.13	172.79	-35.98
9.	दमण एवं दीव	184.11	-120.56	170.56	-2.23
10.	दिल्ली	1764.92	-820.83	1820.70	-578.27
11.	गोवा	136.76	0.09	144.20	1.09
12.	गुजरात	4900.29	-838.84	5192.62	-186.82
13.	हरियाणा	1802.09	-257.06	1753.04	-187.53
14.	हिमाचल प्रदेश	990.30	18.96	935.66	83.23
15.	जम्मू व कश्मीर	624.97	-35.86	441.97	24.60
16.	कर्नाटक	2051.94	-592.86	2129.85	-232.12
17.	केरल	1593.80	-169.78	1714.93	-300.13
18.	लक्षद्वीप	0.60	0.07	0.70	0.00
19.	मध्य प्रदेश	1626.67	-221.65	1680.09	-17.93
20.	छत्तीसगढ	570.59	-13.05	577.23	6.50
21.	महाराष्ट्र	5043.28	-774.48	5076.49	268.43
22.	मणिपुर	26.19	-6.79	28.02	-10.11
23.	मेघालय	62.72	-7.02	72.43	5.52
24.	मिझोरम	33.16	-3.58	32.87	-3.24
25.	नागालैंड	12.45	-2.21	11.75	-0.62
26.	उडीसा	1050.39	17.41	1038.76	129.85
27.	पांडीचेरी	38.07	-19.60	36.41	-10.60
28.	पंजाब	3394.71	-565.90	3024.36	-153.47
29.	राजस्थान	2748.01	-720.62	3110.73	-551.61
30.	सिक्कीम	18.90	-8.90	20.69	-2.16
31.	तमिलनाडू	3206.96	-583.20	3228.72	-443.45
32.	त्रिपूरा	159.08	-10.55	163.25	-12.17
33.	उत्तर प्रदेश	6378.58	95.67	6048.66	566.18
34.	उत्तरांचल	872.16	49.14	905.32	118.45
35.	पश्चिम बंगाल	6467.64	-135.76	7022.47	751.84
	कुल	**53653.68**	**-6067.82**	**55029.46**	**-564.13**

टिप्पणी : डाक विभाग नई दिल्ली से प्राप्त आंकडे समायोजन के अधीन है। इन आंकडों में पी.पी.एफ. एवं एस सी एस एस (बैंक) संग्रह शामिल नहीं हैं।

SHIVRAJ (D.G.P.S.) NAGPUR